

वी. डी. श्रीवास्तव

# तुलसी के राम





# तुलसी के राम

वी. डी. श्रीवास्तव

अयन प्रकाशन, महरौली, नई दिल्ली

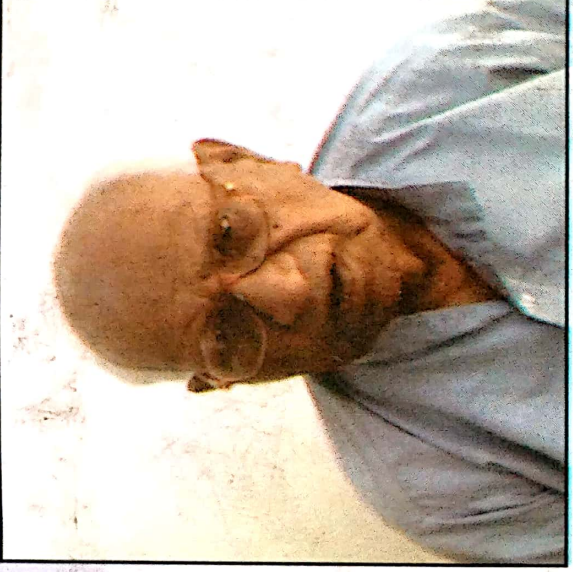


इन्होंने पुस्तक की सराहना करते हुए एक प्रति संकट मोचन मंदिर के लिये भेजने को कहा था। साथ ही निर्देशित किया था कि 'राम' के ऊपर कोई पुस्तक लिखूँ। मेरा उत्तर सकारात्मक था। लेकिन दूसरी पुस्तक के लेखन में संलग्न होने के कारण मुझे समय नहीं मिल सका। लेकिन अब इसे लिखने की सोच रहा हूँ।

'राम' का निरूपण निर्गुण एवं सगुण दोनों रूपों में किया गया है। इस कारण इसको समझना तथा समझाना दोनों कठिन कार्य हैं, लेकिन असंभव नहीं। राम का नाम लेकर इस कार्य को प्रारम्भ कर रहा हूँ, इसकी सफलता भी उन्हीं की कृपा पाठकों के अनुग्रह पर निर्भर करती है।

- वी. डी. श्रीवास्तव





## वी. डी. श्रीवास्तव

- जन्मतिथि : 30 अगस्त 1930  
शिक्षा : स्नातक  
सम्प्रति : कार्यालय अधीक्षक  
(सेंट्रल रेलवे) के पद से सेवानिवृत्त
- कृतियाँ : 1. Terms and phrases used in the  
Bhagwad Gita & in the books of yoga  
2. Perceiving the divine powers  
manifest and unmanifest  
3. तुलसी चर्चा  
4. 'गाँधी जी'

The Symbol of simplicity and Greatness

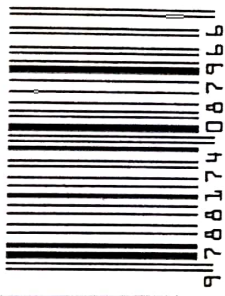
5. नानक दुखिया सब संसार  
6. भारत : धर्म, संस्कृति तथा राष्ट्रवाद

संपर्क : डी. जे. बंगला  
ओल्ड बस स्टैंड, राजगढ़  
ज़िला- रायगढ़ (म.प्र.)  
मोबाइल : 09425992751



**अयन प्रकाशन**  
साहित्य संस्कार के 37 वर्ष

ISBN 978-81-7408-796-6



9 788174 087966